



B.Ed. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के प्रभाव का अध्ययन

¹Sunita Rani and ²Dr. Jayotsna

¹Research Scholar, Department of Education, Monad University, Hapur, Uttar Pradesh, India

²Assistant Professor, Department of Education, Monad University, Hapur, Uttar Pradesh, India

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.23257243>

Corresponding Author: Sunita Rani

सारांश

वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है, जहाँ सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology-ICT) ने शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर व्यापक परिवर्तन किए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में ICT का उपयोग न केवल शिक्षण प्रक्रिया को अधिक सरल, रोचक एवं प्रभावी बनाता है, बल्कि यह विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों (Study Habits) को भी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य B.Ed. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर ICT के प्रभाव का अध्ययन करना है, क्योंकि B.Ed. विद्यार्थी भविष्य के शिक्षक होते हैं और उनकी अध्ययन शैली का प्रभाव आगे चलकर सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली पर पड़ता है। इस अध्ययन में यह देखा गया कि ICT आधारित शिक्षण संसाधनों जैसे ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, वीडियो लेक्चर, डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम तथा मोबाइल लर्निंग एप्लिकेशन ने विद्यार्थियों के अध्ययन व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इन संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थी अब केवल पाठ्यपुस्तकों पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि वे विभिन्न डिजिटल स्रोतों से ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनकी सीखने की क्षमता और समझने की प्रक्रिया अधिक विस्तृत एवं गहन हो गई है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि ICT के उपयोग ने विद्यार्थियों में स्व-निर्देशित अधिगम (Self-directed Learning) को बढ़ावा दिया है। विद्यार्थी अब अपने समय और सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं, जिससे उनकी अध्ययन निरंतरता में सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, ICT ने अध्ययन को अधिक इंटरैक्टिव और दृश्यात्मक (visual-based) बनाकर सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया है। शोध के परिणामों से यह निष्कर्ष निकला कि ICT ने पारंपरिक अध्ययन पद्धतियों की तुलना में अध्ययन की गुणवत्ता, गति एवं निरंतरता को बढ़ाया है। साथ ही, विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता (technical skills) का भी विकास हुआ है, जो वर्तमान डिजिटल शिक्षा प्रणाली की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हालांकि कुछ विद्यार्थियों ने इंटरनेट कनेक्टिविटी, ध्यान भटकने की समस्या एवं तकनीकी संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियाँ भी बताई हैं। अंतः यह कहा जा सकता है कि ICT ने B.Ed. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया है और उन्हें अधिक सक्रिय, आत्मनिर्भर एवं आधुनिक शिक्षण प्रणाली के अनुरूप बनाया है। यह अध्ययन शिक्षा में ICT के महत्व को स्पष्ट करता है और इसके प्रभावी उपयोग की आवश्यकता पर बल देता है।

मूल शब्द: B.Ed. प्रशिक्षणार्थियों, प्रौद्योगिकी (ICT), technical skills, ऑनलाइन

प्रस्तावना

वर्तमान समय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का युग है। मानव जीवन का प्रत्येक क्षेत्र तकनीकी विकास से प्रभावित हो रहा है और शिक्षा भी इससे अछूती नहीं है। शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को नई दिशा प्रदान की है। आज विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में डिजिटल साधनों का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऑनलाइन शिक्षण, स्मार्ट कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकालय, शैक्षिक वीडियो, मोबाइल आधारित अधिगम तथा इंटरनेट के माध्यम से ज्ञान प्राप्ति ने पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी भविष्य के शिक्षक होते हैं। यदि वे तकनीकी रूप से दक्ष होंगे तो वे आने वाली पीढ़ी को भी आधुनिक शिक्षा प्रदान कर सकेंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि उनके अध्ययन व्यवहार तथा अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के

प्रभाव का अध्ययन किया जाए। अध्ययन आदतें किसी भी विद्यार्थी की सफलता का प्रमुख आधार होती हैं। नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, अध्ययन में रुचि, पुनरावृत्ति तथा आत्म-अनुशासन जैसी विशेषताएँ अच्छी अध्ययन आदतों का निर्माण करती हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी इन आदतों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है।

आज अधिकांश विद्यार्थी इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप तथा विभिन्न शैक्षिक अनुप्रयोगों का उपयोग करके अध्ययन कर रहे हैं। इससे उन्हें अध्ययन सामग्री शीघ्र उपलब्ध हो जाती है। डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थी किसी भी विषय को चित्र, ध्वनि तथा वीडियो के माध्यम से आसानी से समझ सकते हैं। इससे अध्ययन अधिक रुचिकर तथा प्रभावी बनता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी अपनी सुविधा एवं समय के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं, जिससे स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित होती है।

हालाँकि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। कई बार विद्यार्थी अध्ययन की अपेक्षा मनोरंजन तथा सामाजिक माध्यमों में अधिक समय व्यतीत करने लगते हैं। इंटरनेट की अनुपलब्धता, तकनीकी संसाधनों की कमी तथा ध्यान भटकने जैसी समस्याएँ भी अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का वास्तविक प्रभाव बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर किस प्रकार पड़ रहा है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी साधनों की उपयोगिता को समझने तथा भविष्य में अधिक प्रभावी शिक्षण व्यवस्था विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

अध्ययन की पृष्ठभूमि

भारतीय शिक्षा प्रणाली में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। नई शिक्षा नीति तथा डिजिटल शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से महामारी के समय ऑनलाइन शिक्षण ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के महत्व को और अधिक स्पष्ट कर दिया। उस समय विद्यार्थियों तथा शिक्षकों दोनों को डिजिटल माध्यमों पर निर्भर रहना पड़ा। इससे यह अनुभव हुआ कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में तकनीकी ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान विशेष महत्व रखता है क्योंकि वे भविष्य में शिक्षण कार्य करेंगे। यदि शिक्षक प्रशिक्षण स्तर पर ही तकनीकी साधनों का उचित उपयोग सीख लिया जाए, तो शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनाई जा सकती है। वर्तमान समय में शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि उसे डिजिटल संसाधनों का भी प्रयोग करना आवश्यक है।

अध्ययन आदतें विद्यार्थी के शैक्षणिक विकास का महत्वपूर्ण आधार होती हैं। अच्छी अध्ययन आदतें विद्यार्थियों को नियमित, अनुशासित एवं लक्ष्य केंद्रित बनाती हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान, अध्ययन सामग्री तथा विभिन्न शिक्षण विधियों से परिचित कराती है। इसके माध्यम से विद्यार्थी किसी भी विषय की जानकारी शीघ्रता से प्राप्त कर सकते हैं।

कई शोधों में यह पाया गया है कि तकनीकी साधनों का उचित उपयोग विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि तथा अध्ययन व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। दूसरी ओर अत्यधिक मोबाइल उपयोग, सामाजिक माध्यमों की लत तथा मनोरंजन संबंधी सामग्री अध्ययन में बाधा भी उत्पन्न कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का संतुलित अध्ययन किया जाए।

प्रस्तुत अध्ययन इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया गया है ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों को किस प्रकार प्रभावित कर रही है।

उद्देश्य

- B-Ed- प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर ICT के प्रभाव का अध्ययन करना।
- ICT आधारित शिक्षण संसाधनों की उपयोगिता का मूल्यांकन करना।
- पारंपरिक एवं डिजिटल अध्ययन आदतों की तुलना करना।

परिकल्पनाएँ

- बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतें अधिक प्रभावी होती हैं।
- अध्ययन में तकनीकी साधनों का उपयोग विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि को बढ़ाता है।

संबंधित साहित्य

शर्मा (2019) [7] शर्मा ने अपने शोध में विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना था कि डिजिटल शिक्षण संसाधन विद्यार्थियों के अध्ययन व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। शोध में पाया गया कि इंटरनेट, ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तथा शैक्षिक वीडियो के प्रयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि में वृद्धि हुई। विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन करने तथा स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित हुई। शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है तथा उनकी शैक्षणिक उपलब्धि में भी सुधार लाती है।

सिंह एवं वर्मा (2020) [6] सिंह एवं वर्मा ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं तकनीकी दक्षता के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में 120 प्रशिक्षणार्थियों को सम्मिलित किया गया। शोध के परिणामों से ज्ञात हुआ कि जो विद्यार्थी नियमित रूप से डिजिटल साधनों का उपयोग करते हैं, उनकी अध्ययन आदतें अधिक प्रभावी होती हैं। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, ई-पुस्तकों तथा शैक्षिक अनुप्रयोगों ने विद्यार्थियों की अध्ययन निरंतरता को बढ़ाया। शोध में यह भी पाया गया कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास तथा स्व-अध्ययन की भावना विकसित की। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि तकनीकी साधनों का उपयोग आधुनिक शिक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गुप्ता (2021) [3] गुप्ता ने शिक्षक शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का अध्ययन किया। इस शोध का उद्देश्य यह ज्ञात करना था कि तकनीकी साधनों का प्रयोग प्रशिक्षणार्थियों के अध्ययन व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करता है। अध्ययन में पाया गया कि डिजिटल शिक्षण सामग्री के उपयोग से विद्यार्थियों की समझने की क्षमता तथा समस्या समाधान कौशल में वृद्धि हुई। प्रशिक्षणार्थियों ने ऑनलाइन माध्यमों के द्वारा अध्ययन को अधिक सरल एवं रुचिकर अनुभव किया। शोधकर्ता ने यह निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है तथा विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सकारात्मक परिवर्तन लाती है।

चौहान एवं मिश्रा (2022) [4] चौहान एवं मिश्रा ने महाविद्यालयीन विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर ऑनलाइन शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि ऑनलाइन कक्षाओं एवं डिजिटल संसाधनों के उपयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन निरंतरता तथा समय प्रबंधन क्षमता में सुधार हुआ। विद्यार्थियों ने बताया कि डिजिटल माध्यमों से अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो जाती है, जिससे अध्ययन अधिक व्यवस्थित हो गया। शोध में यह भी स्पष्ट हुआ कि तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि को बढ़ाती है। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधुनिक शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यादव (2023) [5] यादव ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि तकनीकी साधनों का विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों तथा शैक्षणिक प्रदर्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है। शोध के परिणामों से ज्ञात हुआ कि जो विद्यार्थी नियमित रूप से डिजिटल साधनों का उपयोग करते हैं, उनकी शैक्षणिक उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों की तुलना में अधिक होती है। विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन, नियमित पुनरावृत्ति तथा अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ। शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अध्ययन आदतों को सुदृढ़ बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती है।

शोध पद्धति

- 1. शोध की प्रकृति:** प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति पर आधारित है। इस पद्धति के माध्यम से बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन किया गया।
- 2. अध्ययन का क्षेत्र:** अध्ययन का क्षेत्र बी.एड. महाविद्यालयों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों तक सीमित रखा गया।
- 3. जनसंख्या:** इस अध्ययन की जनसंख्या में बी.एड. महाविद्यालयों के सभी प्रशिक्षणार्थियों को सम्मिलित किया गया।
- 4. निदर्शन (नमूना):** अध्ययन हेतु 100 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का चयन दैव निदर्शन विधि द्वारा किया गया।
- 5. निदर्शन विधि:** प्रशिक्षणार्थियों के चयन के लिए सरल दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया ताकि प्रत्येक इकाई को समान अवसर प्राप्त हो सके।
- 6. शोध उपकरण:** अध्ययन के लिए प्रश्नावली का निर्माण किया गया। प्रश्नावली में अध्ययन आदतों तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित प्रश्न सम्मिलित किए गए।
- 7. तथ्य संकलन विधि:** तथ्यों का संकलन प्रत्यक्ष संपर्क एवं प्रश्नावली विधि द्वारा किया गया। प्रशिक्षणार्थियों से आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त कर उन्हें व्यवस्थित रूप से संकलित किया गया।
- 8. आँकड़ों का वर्गीकरण:** प्राप्त आँकड़ों को व्यवस्थित रूप से वर्गीकृत एवं सारणी बद्ध किया गया ताकि उनका विश्लेषण सरलता से किया जा सके।
- 9. आँकड़ों का विश्लेषण:** प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत विधि द्वारा किया गया। परिणामों को तालिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत कर उनकी व्याख्या की गई।

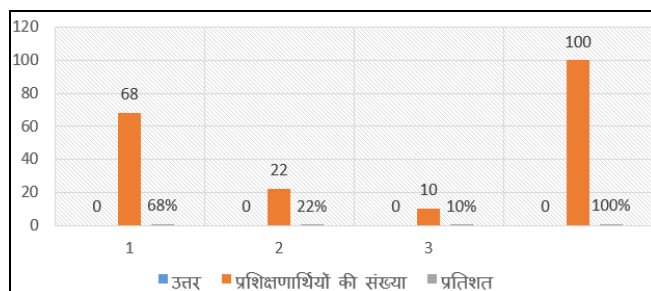
अध्ययन की सीमाएँ

- अध्ययन केवल 100 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों तक सीमित रहा।
- अध्ययन में केवल अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन किया गया।
- अध्ययन प्रश्नावली द्वारा प्राप्त सूचनाओं पर आधारित रहा।

आँकड़ों का विश्लेषण

तालिका 1: अध्ययन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग की स्थिति

क्रम संख्या	उत्तर	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	नियमित उपयोग	68	68%
2	कभी-कभी उपयोग	22	22%
3	उपयोग नहीं	10	10%
	कुल	100	100%

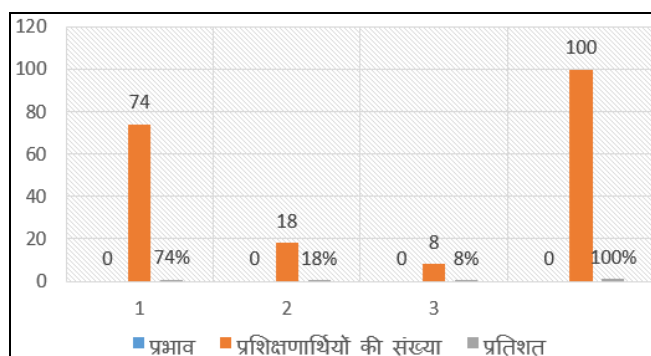


व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 68: प्रशिक्षणार्थी अध्ययन में नियमित रूप से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं। 22: प्रशिक्षणार्थी कभी-कभी इसका उपयोग करते हैं, जबकि केवल 10: प्रशिक्षणार्थी इसका उपयोग नहीं करते। इससे यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थी अध्ययन हेतु तकनीकी साधनों का प्रयोग कर रहे हैं।

तालिका 2: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का अध्ययन आदतों पर प्रभाव

क्रम संख्या	प्रभाव	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	सकारात्मक प्रभाव	74	74%
2	सामान्य प्रभाव	18	18%
3	नकारात्मक प्रभाव	8	8%
	कुल	100	100%



व्याख्या

तालिका से ज्ञात होता है कि 74: प्रशिक्षणार्थियों ने माना कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उनकी अध्ययन आदतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। 18: प्रशिक्षणार्थियों ने सामान्य प्रभाव बताया, जबकि केवल 8: ने नकारात्मक प्रभाव अनुभव किया। इससे स्पष्ट होता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अध्ययन आदतों को सुधारने में सहायक सिद्ध हो रही है।

चर्चा

प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। अधिकांश विद्यार्थियों ने अध्ययन में तकनीकी साधनों का नियमित उपयोग करना स्वीकार किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में डिजिटल शिक्षा विद्यार्थियों के जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है।

अध्ययन में यह पाया गया कि तकनीकी साधनों के उपयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि में वृद्धि हुई है। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, वीडियो व्याख्यान, डिजिटल पुस्तकालय तथा शैक्षिक अनुप्रयोगों ने अध्ययन प्रक्रिया को अधिक सरल एवं आकर्षक बना दिया है। विद्यार्थियों को किसी भी विषय की जानकारी तत्काल

प्राप्त हो जाती है, जिससे समय की बचत होती है और अध्ययन अधिक प्रभावी बनता है।

इसके अतिरिक्त सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित की है। विद्यार्थी अपनी सुविधा एवं समय के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। इससे उनमें आत्मनिर्भरता तथा आत्मविश्वास का विकास होता है। अध्ययन के परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि तकनीकी साधनों का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें अधिक नियमित एवं व्यवस्थित होती हैं।

हालाँकि अध्ययन में कुछ नकारात्मक पक्ष भी सामने आए। कुछ विद्यार्थियों ने बताया कि अत्यधिक मोबाइल उपयोग तथा सामाजिक माध्यमों के कारण ध्यान भटकता है। इंटरनेट की धीमी गति तथा तकनीकी संसाधनों की कमी भी अध्ययन में बाधा उत्पन्न करती है। इसके बावजूद अधिकांश विद्यार्थियों ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को अध्ययन के लिए उपयोगी माना।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि यदि तकनीकी साधनों का संतुलित एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग किया जाए तो वे विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों को तकनीकी संसाधनों के उचित उपयोग के लिए प्रेरित करें तथा डिजिटल शिक्षा के प्रति जागरूक बनाएँ।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर व्यापक एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वर्तमान समय में तकनीकी साधन शिक्षा का महत्वपूर्ण भाग बन चुके हैं और विद्यार्थी अध्ययन के लिए इनका निरंतर उपयोग कर रहे हैं। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थी अध्ययन सामग्री प्राप्त करने, नोट्स बनाने, ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने तथा पुनरावृत्ति करने के लिए तकनीकी साधनों का प्रयोग करते हैं।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने अध्ययन प्रक्रिया को अधिक सरल, प्रभावी एवं रुचिकर बनाया है। डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थियों को विविध प्रकार की अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो जाती है, जिससे उनकी ज्ञानार्जन क्षमता में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त तकनीकी साधनों ने विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन, आत्मनिर्भरता तथा समय प्रबंधन जैसी सकारात्मक आदतों का विकास किया है।

अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि तकनीकी साधनों के उपयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन निरंतरता तथा शैक्षणिक रुचि में वृद्धि हुई है। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तथा दृश्य-श्रव्य माध्यमों ने जटिल विषयों को समझने में सहायता प्रदान की है। इससे अध्ययन अधिक प्रभावशाली बना है।

हालाँकि कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए, जैसे ध्यान भटकना, सामाजिक माध्यमों में अधिक समय व्यतीत करना तथा इंटरनेट संबंधी समस्याएँ। इसलिए यह आवश्यक है कि विद्यार्थियों को तकनीकी साधनों के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया जाए।

अंततः यह कहा जा सकता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधुनिक शिक्षा प्रणाली की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के लिए इसका ज्ञान और उपयोग अत्यंत आवश्यक है क्योंकि वे भविष्य के शिक्षक हैं। यदि शिक्षक प्रशिक्षण स्तर पर तकनीकी दक्षता विकसित की जाए तो शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार किया जा सकता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दें तथा विद्यार्थियों को तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग हेतु उचित

प्रशिक्षण प्रदान करें।

संदर्भ

1. अग्रवाल जेसी. शैक्षिक प्रौद्योगिकी के सिद्धांत एवं व्यवहार. नई दिल्ली: विकास प्रकाशन; c2020।
2. चौहान एसएस. आधुनिक भारतीय शिक्षा एवं तकनीकी विकास. आगरा: विनोद पुस्तक मंदिर; c2019।
3. गुप्ता आर. शिक्षक शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका. भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका. 2021;15(2):45-52।
4. मिश्रा पी, शर्मा वी. ऑनलाइन शिक्षण का विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर प्रभाव. शिक्षा और समाज. 2022;10(4):65-72।
5. यादव ए. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव. आधुनिक शिक्षा समीक्षा. 2023;8(1):21-30।
6. सिंह आरपी. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और शिक्षा. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन; c2020।
7. शर्मा एम. डिजिटल शिक्षा और अध्ययन आदतों का विकास. भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका. 2019;12(3):33-40।
8. वर्मा एस, गुप्ता के. ई-लर्निंग का शिक्षक प्रशिक्षण पर प्रभाव. समकालीन शिक्षा शोध पत्रिका. 2021;14(1):56-63।
9. पांडेय आर. शिक्षा में कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी. इलाहाबाद: साहित्य भवन; c2022।
10. त्रिपाठी डी. तकनीकी आधारित शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया. राष्ट्रीय शिक्षा जर्नल. 2020;9(2):41-48।
11. कुमार ए. शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग. नई दिल्ली: एपीएच पब्लिशिंग; c2021।
12. जोशी एल. अध्ययन आदतों के विकास में डिजिटल माध्यमों की भूमिका. भारतीय मनोवैज्ञानिक अध्ययन पत्रिका. 2018;6(3):77-84।
13. सक्सेना पी. उच्च शिक्षा में ऑनलाइन अध्ययन की उपयोगिता. उच्च शिक्षा समीक्षा. 2022;11(2):29-36।
14. तिवारी एन, सिंह एम. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण की प्रभावशीलता. शैक्षिक चिंतन. 2023;17(1):15-24।
15. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. विद्यालयी शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; 2020।

Creative Commons (CC) License

This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.